अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 93 | श्री विजय पुरम, मंगलवार, 07 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

द्वीपों में जल क्रीड़ाओं के नए युग की शुरुआत का प्रतीक

आगामी 9 अप्रैल से 'लिटिल अण्डमान प्रो 2026' राष्ट्रीय सर्फिंग चैंपियनशिप के आयोजन की घोषणा

मनमोहक बटलर बे तट पर आयोजित चैंपियनशिप में करीब 86 अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू सर्फर भाग लेंगे

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, पर्यटन विभाग ने सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से पहली बार लिटिल अण्डमान में 'लिटिल अण्डमान प्रो 2026' नामक राष्ट्रीय स्तर की सर्फिंग चैंपियनशिप आयोजित करने की घोषणा की है। यह प्रतियोगिता 9 से 12 अप्रैल तक मनमोहक बटलर बे तट पर आयोजित होगी, जो द्वीपों में जल क्रीड़ाओं के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

'लिटिल अण्डमान प्रो 2026' का विशेष महत्व इस बात से भी बढ़ जाता है कि यह भारत के सर्फिंग इतिहास के एक महत्वपूर्ण सत्र में आयोजित हो रहा है, जब जापान में होने वाले एशियाई खेल 2026 में भारत पहली बार सर्फिंग अभियान में भाग लेने जा रहा है। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में लगभग 86 सर्फर, जिनमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी भी शामिल हैं, विभिन्न श्रेणियों जैसे पुरुष ओपन सर्फिंग शॉर्टबोर्ड, महिला ओपन सर्फिंग शॉर्टबोर्ड, पुरुष ओपन स्टैंड–अप पैडलबोर्ड (एसयूपी) एवं महिला ओपन स्टैंड–अप पैडलबोर्ड (एसयूपी) में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस आयोजन की गरिमा बढ़ाने हेतु ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जज श्री रोरी साइम्स को हेड जज नियुक्त किया गया है।

इस आयोजन के साथ ही अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह साहसिक पर्यटन एवं जल क्रीड़ाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखने की ओर अग्रसर है, जिससे लिटिल अण्डमान भारत में उभरते हुए सर्फिंग गंतव्य के रूप में स्थापित होगा।

इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन आज यहां के मेगापोड नेस्ट में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रशासन

के वरिष्ठ अधिकारी, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि तथा देशभर से आए सर्फरों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। उद्घाटन समारोह ने साहसिक पर्यटन के बढ़ते महत्व तथा द्वीपों को वैश्विक खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने लिटिल अण्डमान में इस प्रतिष्ठित स्पर्धा के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयाँ मिलेंगी। उन्होंने स्कूबा डाइविंग और गेम फिशिंग जैसे लोकप्रिय जल–आधारित गतिविधियों के साथ–साथ फुटबॉल, साइक्लिंग, कयाकिंग और रोइंग जैसे खेलों में द्वीपों की समृद्ध खेल संस्कृति का उल्लेख किया।

युवाओं की भागीदारी पर ज़ोर देते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि शीर्ष सर्फरों को देखकर स्थानीय युवा सर्फिंग एवं अन्य जल क्रीड़ाओं की ओर प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी खेल तब फलता–फूलता है जब युवा पीढ़ी उसे अपनाती है और प्रतिभागियों को खेल भावना एवं एकता बनाए रखते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपने संबोधन में सूचना, प्रचार एवं पर्यटन की आयुक्त–सह–सचिव श्रीमती चंचल यादव (आईएएस) ने कहा कि देशभर से सर्फरों की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया अत्यंत उत्साहजनक है। उन्होंने बताया कि सर्फिंग विश्व के सबसे लोकप्रिय जल क्रीड़ाओं में से एक है और तेजी से विकसित हो रही है। यह आयोजन द्वीपों में विश्वस्तरीय जल क्रीड़ाओं को लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए सर्फरों को देखकर विशेषकर द्वीपों के युवा और खिलाड़ी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। यह आयोजन पर्यटन को बढ़ावा देगा और उच्च स्तरीय तथा साहसिक पर्यटकों को लिटिल अण्डमान की ओर आकर्षित करेगा।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन की सचिव श्रीमती ज्योति कुमारी (आईएएस) ने अपने संबोधन में कहा कि यह सर्फिंग आयोजन द्वीपों के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि यह पहली बार पर्यटन विभाग द्वारा सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह केवल एक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन नहीं है, बल्कि लिटिल अण्डमान को सर्फिंग एवं जल क्रीड़ाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दीर्घकालिक दृष्टि की शुरुआत है, जिससे इसे राष्ट्रीय एवं वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया जा सके।

सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव श्री जेहान ड्राइवर एवं निदेशक श्री नवाज़ ज़ब्बार ने आयोजन के लिए अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके सपनों के साकार होने जैसा है। उन्होंने द्वीपों की प्राकृतिक सुंदरता में सर्फिंग करने के अवसर को अद्भुत बताया। अन्य सदस्यों ने भी लिटिल अण्डमान के जल में सर्फिंग करने को रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव बताया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशक श्री विनायक चमड़िया (आईएएस) ने कहा कि पहली बार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में राष्ट्रीय स्तर की सर्फिंग प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। उन्होंने सभी सर्फरों को लिटिल अण्डमान में एक आनंददायक, उत्साहपूर्ण और खेल भावना से परिपूर्ण प्रतियोगिता की शुभकामनाएँ दीं।

शहीद द्वीप के लिए प्रत्यक्ष ओएफसी कनेक्टिविटी की मांग, डिजिटल सुविधा और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

श्री विजय पुरम, 5 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं माननीय केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से शहीद द्वीप के लिए प्रत्यक्ष ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) कनेक्टिविटी स्थापित करने हेतु तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है, ताकि निवासियों और पर्यटकों के लिए विश्वसनीय इंटरनेट सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं मकान गणना चरण में पूछे जाने वाले प्रश्न

क्र.सं.	प्रश्न
1	भवन संख्या (केवल गणनाकर्मी द्वारा भरा जाएगा)
2	जनगणना भवन संख्या (केवल गणनाकर्मी द्वारा भरा जाएगा)
3	फर्श का प्रमुख निर्माण सामग्री
4	दीवार की प्रमुख निर्माण सामग्री
5	छत की प्रमुख निर्माण सामग्री
6	जनगणना भवन का उपयोग (केवल गणनाकर्मी द्वारा भरा जाएगा)
7	जनगणना भवन की स्थिति
8	परिवार संख्या (केवल गणनाकर्मी द्वारा भरा जाएगा)
9	परिवार में सामान्यतः रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या
0	परिवार के मुखिया का नाम
11	परिवार के मुखिया का लिंग
12	परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य
13	घर का स्वामित्व स्थिति
14	आवासीय कमरों की संख्या
15	इस परिवार में रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या
16	पेयजल का मुख्य स्रोत
17	पेयजल स्रोत की उपलब्धता
18	प्रकाश का मुख्य स्रोत
19	शौचालय की उपलब्धता
20	शौचालय का प्रकार
21	अपशिष्ट जल निकासी का माध्यम
22	परिसर के भीतर स्नान सुविधा की उपलब्धता
23	रसोई एवं एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता
24	खाना पकाने में प्रयुक्त मुख्य ईंधन
25	रेडियो/ट्रांजिस्टर
26	टेलीविजन
27	इंटरनेट की उपलब्धता
28	लैपटॉप/कंप्यूटर
29	टेलीफोन/मोबाइल फोन/स्मार्टफोन
30	साइकिल एवं स्कूटर/मोटरसाइकिल/मोपेड
31	कार/जीप/वैन

जनगणना 2027 की स्व–गणना प्रक्रिया में भाग लेकर राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बनें। जनगणना से संबंधित सभी आंकड़े पूर्णतः गोपनीय रखे जाते हैं।

स्मरण रहे कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में स्व–गणना पोर्टल https://se.census.gov.in 1 अप्रैल, 2026 से 15 अप्रैल, 2026 तक खुला है।

हमारी जनगणना, हमारा विकास

आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2027 हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों एवं संस्थानों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने हेतु 'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार–2027' नामक वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की है। वर्ष 2027 के लिए इस पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

आपदा प्रबंधन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक अभ्यार्थी वर्ष 2027 के लिए सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए **https://awards.gov.in** वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में लिंक अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट **(https://andamannicobar.gov.in)** तथा आपदा प्रबंधन निदेशालय **(https://ddm.andamannicobar.gov.in)** पर भी उपलब्ध है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2026 निर्धारित की गई है।

'डीब्राइट' में आईडीई बूटकैंप 2026 का तृतीय संस्करण आरम्भ

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के शिक्षा सचिव श्री एल. कुमार (आईएएस) ने आज डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) में नवाचार, डिज़ाइन एवं उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप 2026 के तृतीय संस्करण का उद्घाटन किया। यह बूटकैंप अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की इनोवेशन सेल की पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, डिज़ाइन थिंकिंग एवं उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देना है।

शेष पृष्ठ 4 पर

मत्स्य संग्रहालय सह जलजीवशाला में समुद्री जीवन की समृद्ध विविधता का मिलेगा रोचक अनुभव

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

श्री विजय पुरम स्थित मत्स्य संग्रहालय–सह–जलजीवशाला, जो मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्यों के चलते 16 मार्च, 2026 से 5 अप्रैल, 2026 तक अस्थायी रूप से बंद था, अब 6 अप्रैल, 2026 से आम जनता के लिए पुनः खोल दिया गया है। नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं और अब यह परिसर आगंतुकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। यह संग्रहालय–सह–जलजीवशाला समुद्र के भीतर पाए जाने वाले विविध समुद्री जीवों, विशेष रूप से द्वीपों में पाए जाने वाले विशिष्ट स्थानिक प्रजातियों को प्रदर्शित करते हुए एक रोचक और शैक्षिक अनुभव प्रदान करता है।

प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता, पर्यटकों, विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को इस संग्रहालय का भ्रमण कर क्षेत्र की समृद्ध समुद्री जैव विविधता के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसके पुनः उद्घाटन का उद्देश्य समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरूकता और सराहना बढ़ाना तथा आगंतुकों को बेहतर और समृद्ध अनुभव प्रदान करना है। सभी को श्री विजय पुरम स्थित मत्स्य संग्रहालय–सह–जलजीवशाला में आकर इस अद्भुत समुद्री संसार का अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

53वें बैच के फॉरेस्टर्स का पासिंग आउट समारोह संपन्न

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

वन प्रशिक्षण संस्थान (एफटीआई), विम्बर्लीगंज, दक्षिण अण्डमान में 53वें बैच के फॉरेस्टर्स (वनपाल) का पासिंग आउट समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं के गहन प्रशिक्षण की सफल पूर्णता को चिह्नित किया गया। इस समारोह में प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री संजय कुमार सिन्हा (आईएफएस) मुख्य अतिथि तथा मुख्य वन संरक्षक (आर एंड डब्ल्यूपी) एवं एफटीआई के अध्यक्ष श्री एस. दिनेश कन्नन (आईएफएस) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत गार्ड ऑफ ऑनर, उसके पश्चात सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में जैव विविधता संरक्षण एवं सतत प्रबंधन

में वनपालों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। एफटीआई के निदेशक श्री अजीत वी. जॉन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रशिक्षुओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि ने संस्थान के उच्च प्रशिक्षण मानकों की सराहना की और प्रशिक्षुओं को समर्पण के साथ सेवा करने के लिए प्रेरित किया। श्री राजू राठौर ने स्वागत भाषण देते हुए वन सेवा में अनुशासन एवं ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्री शुभम हलदर ने 82.68 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर समग्र उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। पिपिंग समारोह के माध्यम से प्रशिक्षुओं का औपचारिक रूप से सेवा में प्रवेश कराया गया। मुख्य अतिथि द्वारा शपथ दिलाई गई, जिसमें सत्यनिष्ठा एवं कर्तव्यनिष्ठा पर बल दिया गया। कार्यक्रम का समापन रेंज अधिकारी श्री विजय किशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ऑपरेशन "सी सेंटिनल" : निकोबार ज़िला पुलिस द्वारा अवैध घुसपैठ के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

कार निकोबार, 6 अप्रैल

बीते 4 अप्रैल, 2026 को सुबह लगभग 9.15 बजे, ननकौड़ी थाना द्वारा ककाना, पिलपिलो, पोंधा एवं डेरिंग के समुद्री क्षेत्रों में एंटी–पोचिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में उप निरीक्षक (ईडी) एम. एम. दासन, पुलिस कांस्टेबल केनी रोजर, सीटी राज कुमार, होमगार्ड (वी)/671 लुकस तथा होमगार्ड (वी)/634 अंजान शामिल थे।

अभियान के दौरान सुबह लगभग 10.40 बजे उत्तरी ककाना तट के निकट एक संदिग्ध म्यांमारी पोचिंग नौका का पता चला। पुलिस की मौजूदगी भांपते ही नौका ने

अपनी लंगर रस्सी काट दी और तिलांगचांग के दक्षिण–पूर्व दिशा की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए नौका का पीछा किया और भारतीय तटरक्षक बल के साथ समन्वय कर उसे रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस कांस्टेबल केनी रोजर द्वारा दो चेतावनी फायर किए गए, लेकिन पोचर (घुसपैठिए) चेतावनी की अनदेखी करते हुए भागते रहे। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

भाग रही नौका को बाद में आइल ऑफ मैन द्वीप के निकट रोका

शेष पृष्ठ 4 पर

लौह पुरुष सरदार पटेल की विरासत और समकालीन भारत में उनकी प्रासंगिकता पर विशेष व्याख्यान

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

राष्ट्र निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम के लेक्चर गैलरी में "लौह पुरुष भारतः विरासत और समकालीन भारत में प्रासंगिकता" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास के प्रोफेसर एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. कंवर चंद्रदीप सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में प्रो. सिंह ने 560 से अधिक रियासतों के भारतीय संघ में एकीकरण में सरदार पटेल की निर्णायक भूमिका पर प्रकाश डाला तथा उनके दृष्टिकोण की समकालीन भारत में निरंतर प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का संयोजन लेफ्टिनेंट डॉ. विवेक कुमार साहू द्वारा किया गया, जिन्होंने युवाओं को सरदार पटेल के साहस, नेतृत्व और व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन में उनके अटूट समर्पण से प्रेरणा लेने के महत्व पर बल दिया। इस व्याख्यान में प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं गणित विभागों के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के प्रति सराहना के रूप में उन्हें पुस्तकें भेंट की गईं, जिससे सीखने और बौद्धिक संवाद की भावना को प्रोत्साहन मिला।

बालिका विद्यालय में योग दिवस कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल।

श्री विजय पुरम स्थित पीएम श्री बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 4 अप्रैल, 2026 (शनिवार) को विशेष योग दिवस कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से एनसीसी कैडेटों के बीच स्वास्थ्य, जागरूकता और शारीरिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना था, जिससे प्रतिभागियों को ताज़गी और ऊर्जा का अनुभव हुआ। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कैडेटों, शिक्षकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और स्कूल की दिनचर्या में योग को नियमित रूप से शामिल करने में रुचि व्यक्त की।

टुसनाबाद में प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

दक्षिण अण्डमान के टुसनाबाद स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा आज टुसनाबाद सामुदायिक भवन में प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विम्बर्लीगंज निवासी श्री शियाद मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। श्री शियाद ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 743 प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इंटरएक्टिव सत्र के दौरान श्री शियाद ने अपनी सफलता की यात्रा साझा करते हुए आईएएस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और दृढ़ता एवं निरंतर प्रयास के महत्व पर बल दिया। इस सत्र में टुसनाबाद स्कूल, फरारगंज स्कूल एवं पोर्ट मोट स्कूल के उत्साही विद्यार्थियों के साथ–साथ शिक्षक, स्थानीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी, ग्राम प्रधान श्री अमृत राज आनंद तथा टुसनाबाद पंचायत के पीआरआई सदस्य भी उपस्थित रहे।

भारत ने वर्ष 2025–26 में पवन ऊर्जा में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि 6.05 गीगावाट प्राप्त की

नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

भारत ने वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान पवन ऊर्जा क्षमता में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि 6.05 गीगावाट प्राप्त की, जो वित्त वर्ष 2016–17 में दर्ज 5.5 गीगावाट क्षमता वृद्धि के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर गई। यह वित्त वर्ष 2024–25 में जोड़ी गई क्षमता की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि को भी दर्शाता है, जो देश के तटवर्ती पवन ऊर्जा तैनाती पथ में निर्णायक तेजी का संकेत है।

इस वृद्धि के साथ, भारत की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 56 गीगावॉट से अधिक हो गई है। यह उपलब्धि नीतिगत स्पष्टता में सुधार, पारेषण की तैयारी, प्रतिस्पर्धी टैरिफ निर्धारण और परियोजनाओं की मजबूत उपलब्धता के कारण इस क्षेत्र में आई नई गति को दर्शाती है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि निरंतर नीतिगत समर्थन, बेहतर परियोजना क्रियान्वयन और प्रमुख पवन ऊर्जा उत्पादक राज्यों में परियोजनाओं की बढ़ती परिपक्वता का परिणाम है। गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्य वर्ष के दौरान क्षमता वृद्धि में प्रमुख योगदानकर्ता रहे हैं, जो पवन–सौर हाइब्रिड परियोजनाओं की बढ़ती संख्या और हरित ऊर्जा के खुले उपयोग के प्रगतिशील कार्यान्वयन से समर्थित है। भारत का पवन ऊर्जा क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी पवन ऊर्जा बाजारों में से एक बन गया है। सरकार ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं, जिनमें पवन टरबाइनों के विनिर्माण में प्रयुक्त कुछ घटकों और कच्चे वस्तुओं पर रियायती सीमा शुल्क, जून 2028 तक अंतर–राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों में श्रेणीबद्ध छूट, प्रतिस्पर्धी निविदा तंत्र, अलग पवन नवीकरणीय ऊर्जा खपत दायित्व (आरसीओ) ढांचा और राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान से तकनीकी सहायता शामिल हैं।

ऑपरेशन "सी सेंटिनल" : निकोबार ज़िला पुलिस ——पृष्ठ 1 का शेष

गया, जहां पोचर घने जंगल में भाग निकले। इसके बाद 'सी सेंटिनल' कोड नाम से एक व्यापक अभियान शुरू किया गया, जिसमें एसआई एल. हरि कृष्णा के नेतृत्व में ननकौड़ी और तिलांगचांग चौकी की टीमों ने कठिन भौगोलिक एवं मौसम परिस्थितियों में व्यापक खोज और निगरानी अभियान चलाया।

निकोबार ज़िले के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 5 अप्रैल, 2026 को सुबह लगभग 7.15 बजे पुलिस एवं सेना के 11 जवानों की संयुक्त टीम ने सघन जंगल तलाशी अभियान चलाया, जिसमें थोड़े पीछा करने के बाद एक म्यांमारी नागरिक को पकड़ा गया। 6 अप्रैल, 2026 को भी तलाशी अभियान जारी रहा और अंततः जंगल में छिपे शेष 10 विदेशी नागरिकों को भी सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। इस प्रकार कुल 11 विदेशी पोचर पकड़े गए। इसके अलावा ज़ब्त की गई नौका तथा लगभग 800 किलोग्राम अवैध रूप से एकत्रित समुद्री ककड़ी (सी कुकुंबर) भी बरामद किया गया। यह सफल अभियान निकोबार ज़िला पुलिस, भारतीय तटरक्षक बल एवं सेना के समन्वित प्रयासों और राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा तथा नाजुक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को अवैध दोहन से बचाने के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूरे अभियान की निगरानी श्री सैमुअल सोलोमन (दानिप्स), एसडीपीओ, कार निकोबार द्वारा तथा समग्र दिशा–निर्देशन पुलिस अधीक्षक निकोबार ज़िला श्री राहुल एल. नायर (आईपीएस) द्वारा किया गया। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध या अवैध गतिविधि से संबंधित जानकारी पुलिस को फोन नंबर 112, 03192–265223 एवं 9531856152 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

डीब्राइट' में आईडीई बूटकैंप 2026 का ——पृष्ठ 1 का शेष

अपने संबोधन में शिक्षा सचिव ने विद्यालय स्तर से ही जिज्ञासा और प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार क्षमता विकसित करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने, स्कूलों में इंजीनियरिंग लैब्स को सुदृढ़ करने तथा शिक्षकों की क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को पांच दिवसीय बूटकैंप का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डीब्राइट की प्राचार्या डॉ. (प्रो.) सनमुख कौर ने वास्तविक समस्याओं की पहचान, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद के माध्यम से विचारों का सत्यापन तथा बाज़ार की आवश्यकताओं को समझने के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षा मंत्रालय की इनोवेशन सेल के इनोवेशन अधिकारी श्री सरीम मोइन तथा वाधवानी फाउंडेशन की इनोवेशन वेंचर कैटलिस्ट एवं डिज़ाइन थिंकिंग विशेषज्ञ श्रीमती अंबुमति बूटकैंप के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न सत्रों के माध्यम से उद्यमिता से जुड़ी रणनीतियों पर मार्गदर्शन देंगी। संसाधन व्यक्तियों ने प्रतिभागियों से सीखने के प्रति उत्साही बने रहने और अपने भीतर के उद्यमी पक्ष को खोजने का आह्वान किया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण आईडीई बूटकैंप के सह–संयोजक डॉ. दीपांशु सिंह द्वारा दिया गया, जबकि डॉ. श्राबोनी मलिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने दोपहर में राष्ट्रीय उद्घाटन समारोह को वर्चुअल माध्यम से देशभर की 30 अन्य टीमों के साथ देखा। राष्ट्रीय उद्घाटन समारोह को एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. योगेश सिंह ने संबोधित किया, जिसमें उन्होंने बताया कि आईडीई बूटकैंप के इस तृतीय संस्करण में पहली बार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की टीमें भी भाग ले रही हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार देश के चयनित स्थानों पर आयोजित इस पांच दिवसीय बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमिता कौशल को विकसित करना है।

अंतर–द्वीप जलयान सेवाओं में बदलाव

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल

सभी यात्रियों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि एमवी कैंपबेल बे एवं जहाज़ सिंधु वर्तमान में कोलकाता में ड्राई डॉक/वार्षिक नियोजित सर्वे (एपीएस) के लिए गए हुए हैं। एमवी कैंपबेल बे का श्री विजय पुरम में अप्रैल, 2026 के प्रथम सप्ताह में आगमन निर्धारित था, किन्तु अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण इसके आगमन में विलंब हो गया है। इन जहाज़ों की अनुपलब्धता के कारण जहाज़रानी सेवा निदेशालय को अंतर–द्वीप क्षेत्र में निर्धारित यात्रा कार्यक्रम बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह भी बताया गया है कि दक्षिणी द्वीपसमूह में यात्रियों की भारी भीड़ एवं आवश्यक वस्तुओं की कमी की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस स्थिति से निपटने के लिए 150 टन माल क्षमता वाले जहाज़ 'नालंदा' को दक्षिणी द्वीपसमूह में तैनात करना आवश्यक हो गया है, क्योंकि एमवी कालीघाट उपलब्ध कार्गो स्थान के कारण आवश्यक मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है। इसी के अनुसार अंतर–द्वीप क्षेत्र के जहाज़ों के यात्रा कार्यक्रम में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:

क्रम संख्या	जहाज़ का नाम	यात्रा की तिथि और समय	से	तक	वापसी यात्रा की तिथि और समय	से	तक	टिप्पणी
1.	एमवी कालीघाट	07.04.2026 0900 बजे	श्री विजय पुरम	ननकौड़ी के रास्ते कैम्पबेल बे	09.04.2026, 0800 बजे	कैम्पबेल बे	श्री विजय पुरम से ननकौड़ी होते हुए	
2.	नालंदा	14.04.2026 0900 बजे	श्री विजय पुरम	ननकौड़ी और कछाल के रास्ते कैम्पबेल बे	16.04.2026, 0600 बजे	कैम्पबेल बे	श्री विजय पुरम से कछाल और ननकौड़ी होते हुए	कछाल पोर्ट पर बर्थिंग अच्छे मौसम पर निर्भर है।
3.	एमवी कालीघाट की जगह नालंदा जाएगा	21.04.2026 0900 बजे	श्री विजय पुरम	ननकौड़ी के रास्ते कैम्पबेल बे	23.04.2026, 0800 बजे	कैम्पबेल बे	श्री विजय पुरम से ननकौड़ी होते हुए	
4.	एमवी कालीघाट की जगह नालंदा जाएगा	28.04.2026 0900 बजे	श्री विजय पुरम	ननकौड़ी और कछाल के रास्ते कैम्पबेल बे	30.04.2026, 0600 बजे	कैम्पबेल बे	श्री विजय पुरम से कछाल और ननकौड़ी होते हुए	कछाल पोर्ट पर बर्थिंग अच्छे मौसम पर निर्भर है।

एमवी स्वराज द्वीप का कार्यक्रम (अप्रैल, मई और जून, 2026)

आगमन	दिन	बंदरगाह	प्रस्थान	दिन	यात्रा संख्या	समय (घंटे में)	टिप्पणी
अप्रैल 2026							
——	——	श्री विजय पुरम	11.04.2026	सोमवार	1137	1000	
14.04.2026	गुरुवार	चेन्नई	18.04.2026	सोमवार	1138	1600	
21.04.2026	गुरुवार	श्री विजय पुरम	25.04.2026	शनिवार	1139	1000	
28.04.2026	मंगलवार	विशाखापट्टनम	29.04.2026	बुधवार	1140	1600	
02.05.2026	शनिवार	श्री विजय पुरम	——	——	——	——	
मई 2026							
——	——	श्री विजय पुरम	03.05.2026	रविवार	1141	1000	
06.05.2026	बुधवार	विशाखापट्टनम	08.05.2026	शुक्रवार	1142	1600	
11.05.2026	सोमवार	श्री विजय पुरम	14.05.2026	गुरुवार	1143	1000	
17.05.2026	रविवार	चेन्नई	20.05.2026	बुधवार	1144	1600	
23.05.2026	शनिवार	श्री विजय पुरम	26.05.2026	मंगलवार	1145	1000	
29.05.2026	शुक्रवार	विशाखापट्टनम	——	——	——	——	
जून 2026							
——	——	विशाखापट्टनम	01.06.2026	सोमवार	1146	1600	
04.06.2026	गुरुवार	श्री विजय पुरम	07.06.2026	रविवार	1147	1000	
10.06.2026	बुधवार	चेन्नई	13.06.2026	शनिवार	1148	1600	
16.06.2026	मंगलवार	श्री विजय पुरम	19.06.2026	शुक्रवार	1149	1000	
22.06.2026	सोमवार	विशाखापट्टनम	24.06.2026	बुधवार	1150	1600	
27.06.2026	शनिवार	श्री विजय पुरम	——	——	——	——	
नालंदा का कार्यक्रम (मई, 2026)							
मई 2026							
——	——	श्री विजय पुरम	03.05.2026	रविवार	——	0900	कैंपबेल बे से ननकौड़ी होते हुए
07.05.2026	गुरुवार	चेन्नई	09.05.2026	शनिवार	——	1600	कैंपबेल बे और ननकौड़ी होते हुए
13.05.2026	बुधवार	श्री विजय पुरम	16.05.2026	शनिवार	——	0800	मायाबंदर होते हुए
19.05.2026	मंगलवार	कोलकाता	22.05.2026	शुक्रवार	——	1200	मायाबंदर होते हुए
26.05.2026	मंगलवार	श्री विजय पुरम	——	——	——	——	——
एमवी कैंपबेल बे का कार्यक्रम (जून, 2026)							
जून, 2026							
——	——	श्री विजय पुरम	18.06.2026	गुरुवार	——	0900	ननकौड़ी से कैंपबेल बे
22.06.2026	सोमवार	चेन्नई	25.06.2026	गुरुवार	——	1600	कैंपबेल बे और ननकौड़ी
29.06.2026	रविवार	श्री विजय पुरम	——	——	——	——	——

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उपरोक्त संशोधनों के कारण, इस निदेशालय द्वारा पूर्व में जारी आदेश संख्या एम/एएफएल(ओपीएन)13–5/2007/217 दिनांक 18 मार्च, 2026, संख्या एम/एएफएल(ओपीएन)13–5/2007/232 दिनांक 26 मार्च, 2026 एवं संख्या एम/एएफएल(ओपीएन)13–5/2007/252 दिनांक 1 अप्रैल, 2026 के तहत घोषित एमवी स्वराज द्वीप, नालंदा एवं एमवी कैंपबेल बे के मुख्यभूमि–द्वीपसमूह यात्रा कार्यक्रम को निरस्त करते हुए निम्नानुसार पुनर्निर्धारित किया गया है।

गर्मी की छुट्टियों के लिए एमवी स्वराज द्वीप, एमवी कैंपबेल बे एवं नालंदा का संशोधित संभावित यात्रा कार्यक्रम जारी किया गया है। सभी यात्राएं मौसम की परिस्थितियों पर निर्भर होंगी। कार्यक्रम में किसी भी परिवर्तन के कारण होने वाली हानि के लिए जहाज़रानी सेवा निदेशालय ज़िम्मेदार नहीं होगा। मुख्यभूमि–द्वीपसमूह क्षेत्र में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एमवी स्वराज द्वीप, नालंदा एवं एमवी कैंपबेल बे के टिकट धारक यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे संशोधित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार यात्रा करें।

इन परिवर्तनों से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है।

उन्नत कृषि महोत्सव रायसेन में होगा आधुनिक मशीनरी से हर फसल के लिए तेज, सस्ती और सटीक खेती का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर केंद्र द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से मध्य प्रदेश के रायसेन में आयोजित कृषि मेला वास्तव में आधुनिक तकनीक के ज़रिये खेती को नई रफ़्तार देने वाला राष्ट्रीय उत्सव बनेगा, जहाँ किसान खेत खेत तक पहुँच चुकी ड्रोन, नैनो उर्वरक, सूक्ष्म सिंचाई और जलवायु स्मार्ट खेती के सबसे सफल मॉडल एक ही जगह पर लाइव देखेंगे और सीखेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह तीन दिवसीय महोत्सव 11 से 13 अप्रैल तक रायसेन के दशहरा मैदान में वृहद प्रदर्शनी, प्रशिक्षण और लाइव डेमो के रूप में आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन अनुसार "विकसित खेती समृद्ध किसान" के संकल्प को ज़मीन पर उतारना है। आधुनिक यंत्रों का साथ, खेती में प्रगति हाथों हाथ

राष्ट्रीय कृषि मेले के विशेष मशीनरी ज़ोन में ग्रीनलैंड एग्रोटेक, एग्री किंग, सोनालिका, शक्तिमान, वीएसटी, न्यू हॉलैंड, स्वराज, ग्रीव्स जैसी अग्रणी कंपनियाँ रीपर बाइंडर, सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर बाइंडर, रोटावेटर, कॉर्न पिकर विद साइलज, विभिन्न क्षमता के ट्रैक्टर, स्क्वायर व राउंड बेलर, PTO हे रेक, रोटरी स्लैशर, रोटरी मल्चर, सुपर सीडर, पावर सीडर, शुगरकेन हार्वेस्टर, राइस ट्रांसप्लांटर, कॉटन पिकर हार्वेस्टर, पावर वीडर, ब्रश कटर, चाफ कटर और बूम स्प्रेयर जैसे अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का लाइव प्रदर्शन करेंगी। किसान मशीनों के संचालन, रखरखाव, लागत लाभ, फसल अनुरूप उपयोग और सुरक्षा उपायों पर लाइव प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे तथा कई यंत्रों पर विशेष छूट और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि "आधुनिक यंत्रों का साथ, खेती में प्रगति हाथों हाथ" का संदेश व्यवहार में बदल सके। ड्रोन, नैनो उर्वरक और स्मार्ट फार्मिंगः खेती का नया गेम चेंजर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह के अनुसार, डेमो प्लॉट पर ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरक और कीटनाशकों के सटीक छिड़काव का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे किसान प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे कि कम समय, कम श्रम और कम लागत में बड़े क्षेत्र पर समान एवं परिशुद्ध स्प्रे कैसे संभव है। विशेषज्ञ किसान समूहों को ड्रोन ऑपरेशन, फसल निगरानी, डिजिटल मैपिंग और स्मार्ट फार्मिंग समाधान (सेंसर, मोबाइल एप आधारित सलाह, डेटा ड्रिवन निर्णय) से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन देंगे, जिससे "ड्रोन, नैनो उर्वरक और स्मार्ट फार्मिंगः खेती का नया गेम चेंजर की अवधारणा खेत खलिहान तक मज़बूती से पहुँचे। ड्रिप सिंप्रकलर से प्रति बूंद अधिक फसल और जल संरक्षण सूक्ष्म सिंचाई एवं जल प्रबंधन सेक्शन में जैन इरिगेशन, नेताफिम, फिनोलेक्स, महिंद्रा ईपीसी, रिवुलिस, अशीरवाद, ड्रिप इंडिया, ऑटोमैट और अन्य कंपनियाँ ड्रिप एवं सिंप्रकलर सिस्टम, ऑटोमेशन यूनिट, फर्टिगेशन (उर्वरक मिश्रित सिंचाई), "ड्रिप फॉर राइस एंड व्हीट", सोलर पंप और वाटरशेड मॉडल प्रदर्शित करेंगी। "जल संरक्षण से खेती को दे नई ऊर्जा" और "जल की बचत, ज़्यादा उपज स्मार्ट खेती की नई पहचान" जैसे किसान हितैषी संदेशों को ध्यान में रखते हुए "प्रति बूंद–अधिक फसल" की अवधारणा का प्रैक्टिकल डेमो किया जाएगा, जहाँ किसान सीखेंगे कि कैसे सीमित जल संसाधन के बावजूद पैदावार बढ़ाई जा सकती है और खेत को सूखा बाढ़ दोनों से अधिक लचीला बनाया जा सकता है। पॉलीहाउस, कोल्ड स्टोरेज और समेकित कृषि प्रणाली से जलवायु स्मार्ट खेती

उन्होंने बताया कि हॉर्टिकल्चर डिवीजन द्वारा पॉलीहाउस डेमो, मोबाइल कोल्ड स्टोरेज, शेड नेट और देशभर की पौध नर्सरी के माध्यम से उच्च उपज देने वाले प्रमाणित बीजों, फूलों और सब्ज़ियों की संरक्षित खेती, जलवायु जोखिम प्रबंधन और नर्सरी उद्यमिता के अवसर किसानों को समझाये जाएँगे, जिससे "मौसम की मार से बचाव, उन्नत बीजों से बेहतर समाधान" तथा "आधुनिक खेती से बढ़ाएँ पैदावार" जैसे संदेश व्यवहार में उतरेंगे। ICAR द्वारा समेकित कृषि प्रणाली, मल्टी लेयर फार्मिंग, फसल ठंडा रखने की तकनीक, जलवायु नियंत्रित संरचनाएँ और जलवायु स्मार्ट खेती के मॉडल के साथ साथ पराली प्रबंधन हेतु हैपी सीडर, सुपर सीडर व अन्य यंत्रों का प्रदर्शन तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से "पराली अब समस्या नहीं, बल्कि खेत की समृद्धि का आधार– 'कचरे से कंचन'" का व्यवहारिक संदेश दिया जाएगा, जिससे आय विविधीकरण, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूल खेती का मज़बूत रोडमैप तैयार हो सके।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

फा.सं. 20–32(1)/2017/वक्फ
अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय
श्री विजय पुरम, दिनांक 31 मार्च, 2026

प्रेस नोट

अभी हाल में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025, जो दिनांक 05.04.2025 को भारत के राजपत्र, नई दिल्ली में प्रकाशित हुआ था, जिसके तहत वक्फ अधिनियम, 1995 की धारा 83 (4) में संशोधन किया गया था, जो इस प्रकार से है :

(ग) एक व्यक्ति जो मुस्लिम कानून और न्यायशास्त्र का ज्ञाता हो–सदस्य

इसके अलावा, उप–धारा (4A) के परंतुक खंड में किए गए संशोधन के अनुसार, सदस्य का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की तिथि से पाँच वर्ष तक या उनकी आयु पैंसठ वर्ष होने तक, जो भी पहले हो, का होगा।

अतः अधिनियम की उक्त धारा के तहत गठित की जाने वाली वक्फ ट्रिब्यूनल के तीसरे सदस्य के रूप में नामित किए जाने के लिए इच्छुक/सहमत मुस्लिम व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

उपर्युक्त योग्यता रखने वाले इच्छुक/सहमत मुस्लिम व्यक्तियों के आवेदन (जीवनवृत्त सहित) इस प्रेस नोट के प्रकाशित होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर सहायक सचिव (राजस्व), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, सचिवालय, श्री विजय पुरम के कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए।

सहायक सचिव (राजस्व)

विज्ञापन सूचना

F. No. 6-1/ANACS/TI/2026-27 दिनांक 02.04.2026

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत दक्षिण अण्डमान जिले में लक्षित हस्तक्षेप (टीआई) परियोजना (कोरकम्पोजिट) के संचालन के लिए योग्य गैर–सरकारी संगठनों (NGOs)/सामुदायिक संगठनों (CBOs) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

विस्तृत विज्ञापन, EOI दस्तावेज, कार्य विवरण (ToR/Scope of Work) और आवेदन का निर्धारित प्रारूप ANACS की वेबसाइट और ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

वेबसाइट https://anacs.andamannicobar.gov.in
https://eprocure.andamannicobar.gov.in

आवेदन की अंतिम तिथि : 24/04/2026 के शाम 5.00 बजे तक

आवेदन भेजने का पता :
परियोजना निदेशक
अण्डमान एवं निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी (NACS)
रेड रिबन बिल्डिंग, अटलांटा प्वाइंट
श्री विजय पुरम 744101
दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

संपर्क के लिए :
ईमेल: andamansacs1@gmail.com
andamansacs@gmail.com
फोन : 947422244/9933231207

अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ANACS को किसी भी आवेदन को बिना कारण बताए स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है।

यह सक्षम प्राधिकारी की स्वी.ति से जारी किया गया है।

उप निदेशक (रोकथाम)
अण्डमान एवं निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी

सरकारी ई–मार्केटप्लेस जैम का जीएमवी 18.04 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली, 06 अप्रैल। सरकारी ई–मार्केटप्लेस–जैम ने 18 लाख 4 हजार करोड़ रुपये का कुल सकल व्यापार मूल्य– जीएमवी हासिल कर लिया है। इसमें वित्त वर्ष 2025–26 में 5 लाख करोड़ रुपये का जीएमवी पार करना भी शामिल है। जैम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिहिर कुमार ने नई दिल्ली में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 18 लाख 4 हजार करोड़ रुपये के कुल जीएमवी को पार करना एक पारदर्शी और प्रौद्योगिकी–आधारित खरीद प्रणाली में खरीदारों, विक्रेताओं और संस्थानों के विश्वास को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सरकारी संस्थाओं में बड़े पैमाने पर खरीद को सक्षम बनाने वाले एक सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में जैम की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। श्री मिहिर कुमार ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म खरीद निर्णयों को सुगम बनाता है, विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमों को सरकारी मांग से जोड़ता है और सार्वजनिक व्यय में आर्थिक समावेशन, स्थिरता तथा पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म एक पारदर्शी, सक्षम और समावेशी डिजिटल सार्वजनिक खरीद प्रणाली के रूप में विकसित हो रहा है। श्री मिहिर कुमार ने बताया कि जैम ने सूक्ष्म तथा लघु उद्यमों, महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमों और स्टार्टअप्स के लिए पहुंच बढ़ाने के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान कुल ऑर्डरों में से 68 प्रतिशत ऑर्डर लघु और मध्यम उद्यमों द्वारा पूरे किए गए, जो कुल सकल बाजार मूल्य का 47 दशमलव एक प्रतिशत था।

वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में भारत का जलवा, 13 पदकों के साथ रहा शीर्ष पर

नई दिल्ली/बैंकॉक, 06 अप्रैल। बैंकॉक में आयोजित हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में भारतीय पैरा तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मंच पर अपनी ताकत का दमदार परिचय दिया। भारतीय टीम ने कुल 13 पदक (7 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य) जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

22 सदस्यीय भारतीय दल ने रिकर्व, कंपाउंड और डब्ल्यू1 वर्ग में हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, दृढ़ संकल्प और अद्भुत जज्बे से सभी को प्रभावित किया। यह प्रदर्शन वैश्विक पैरा तीरंदाजी में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। भारत के अभियान की अगुवाई कंपाउंड वर्ग में दबदबे के साथ हुई, जहां टीम ने सभी तीन टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। महिला टीम स्पर्धा में शीतल देवी और पायल नाग ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, पुरुष टीम स्पर्धा में तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी ने स्वर्ण जीता। मिश्रित टीम स्पर्धा में शीतल देवी और तोमन कुमार की जोड़ी ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रिकर्व पुरुष टीम स्पर्धा में विजय सुंडी और हरविंदर सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कई अन्य पदक जीतकर भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

इस अभियान की खास बात कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का ऑल–इंडिया फाइनल रहा, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों के दबदबे को दर्शाया।

भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह भारतीय पैरा तीरंदाजी के लिए ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है। खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन और अदम्य साहस से देश का नाम रोशन किया है।

संघ के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि खिलाड़ियों ने केवल पदक ही नहीं जीते, बल्कि पूरे देश को प्रेरित भी किया है। पायल नाग जैसे उभरते खिलाड़ियों और शीतल देवी जैसे स्थापित चैंपियनों ने टीम की ताकत और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाया है।

देश के पहले वस्त्र पुनर्प्राप्ति केंद्र ने अबतक 30 मीट्रिक टन अपशिष्ट को किया एकत्र

नई दिल्ली, 06 अप्रैल। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में स्थापित देश के पहले वस्त्र पुनर्प्राप्ति केंद्र (टीआरएफ) ने अब तक 30 मीट्रिक टन वस्त्र अपशिष्ट एकत्र कर 25.5 मीट्रिक टन की वैज्ञानिक ढंग से छंटाई की है और 300 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने बताया कि इसे नवी मुंबई नगर निगम ने 'स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0' के तहत बेलापुर स्थापित किया है। इसके जरिए वस्त्र अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से छांटकर पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और अपसाइक्लिंग किया जा रहा है। इसके जरिए अबतक करीब 41,000 कपड़ों को प्रतिदिन औसतन 500 वस्त्रों की दर से संसाधित (प्रोसेस) किया गया। इसके जरिए महिलाओं ने तैयार किए गए बैग, कपड़ों और घर के सजाने वाले समानों को तमाम प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया।

मंत्रालय ने बताया कि इसके लिए नवी मुंबई नगर निगम ने सभी 8 वार्डों में आवासीय सोसाइटियों में विशेष वस्त्र संग्रह डिब्बे लगाए हैं। अब तक कुल 140 डिब्बे लगाए जा चुके हैं। कुल 250 डिब्बे लगाने का लक्ष्य है। कपड़ों के अपशिष्ट को एकत्र करने के बाद बेलापुर की अंतरिम टीआरएफ में कपड़ों को तौलकर टैग किया जाता है और उन्हें पुनः उपयोग योग्य, पुनर्चक्रण योग्य, अपसाइक्लिंग योग्य और अस्वी.त श्रेणियों में बांटा जाता है। फाइबर पहचान के लिए 'कोशा' हैंडहेल्ड स्कैनर का उपयोग किया जाता है, जिससे कपास, पॉलिकॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन और रेशम जैसी सामग्री की पहचान तुरंत कर ली जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि इस काम में अब तक 150 महिलाएं सक्रिय रूप से काम कर रही हैं और प्रति माह 9,000 से 15,000 रुपये तक कमा रही हैं। टीआरएफ ने अब इस पहल के जरिए 1,14,575 परिवारों को जोड़ा है, जिसके लिए 75 से अधिक जनजागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की हैं। साथ ही टीआरएफ ने अब तक 350 से अधिक सोसाइटी प्रतिनिधियों को भी जोड़ा है।

देश में महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सशक्त कानून

नई दिल्ली, 06 अप्रैल। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा, देश में महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सशक्त कानून राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि देश में महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सशक्त कानून हैं। उन्होंने प्रत्येक महिला को कानून के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करने की सलाह दी। नई दिल्ली में आकाशवाणी द्वारा आयोजित महिला केंद्रित मुद्दों और सशक्तिकरण पहल पर कार्यशाला को संबोधित करते हुए, उन्होंने लैंगिक संवेदनशीलता की आवश्यकता पर बल दिया।

रहाटकर ने कहा कि पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 और घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनों का उल्लेख करते हुए, आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि इन कानूनों के बारे में जागरूकता की कमी अक्सर महिलाओं को न्याय मांगने से रोकती है।

उन्होंने पीओएसएच अधिनियम के अंतर्गत आंतरिक समितियों के बारे में कहा कि उनकी भूमिका केवल शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक सुरक्षित, संरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल वातावरण का निर्माण करना भी शामिल है। रहाटकर ने बेहतर बुनियादी ढांचे, जागरूकता और विश्वास निर्माण के उपायों पर बल देते हुए कहा कि इससे महिलाएं बिना किसी डर के अपनी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकेंगी।

एलपीजी टैंकर 'ग्रीन आशा' ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया

नई दिल्ली, 06 अप्रैल। भारतीय ध्वज वाले एल पी जी टैंकर 'ग्रीन आशा' ने ईरान के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य सफलतापूर्वक पार कर लिया है। ईरान ने अमरीका और इज़राएल के साथ संघर्ष बढ़ने के बाद यह जलडमरुमध्य बंद कर दिया था। यह मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे कुल वैश्विक पैट्रोलियम व्यापार का 20 प्रतिशत परिचालित होता है। जोखिमों के बावजूद, भारतीय जहाजों की गतिविधि सुरक्षित बनी हुई है। पहले भेजे गए जहाजों में एलपीजी वाहक बी डब्ल्यू टी वाई आर, बी डब्ल्यू ई एल एम, पाइन गैस और जग वसंत शामिल हैं, इनसे सामूहिक रूप से 92 हजार टन से अधिक एलपीजी की आपूर्ति हुई। वहीं, तेल टैंकर जग लाडकी और जग प्रकाश ने संयुक्त अरब अमीरात और ओमान से कच्चा तेल और गैसोलीन का परिवहन किया।

शपथ पत्र

मैं, डी शकुंतला स्वर्गीय डी. उमापति की पुत्री श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिले के बिम्बलीटान गांव की निवासी, एतद्द्वारा पूर्णतया प्रतिज्ञा और घोषणा करती हूँ कि :

1. मेरे पुत्र महेश राज ने महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण की है, जिसका रोल नम्बर 20101280 है और उसने प्रमाण पत्र संख्या 1373698, दिनांक 13.05.2024 के माध्यम से अपना उत्तीर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।
2. मेरे बेटे के उपरोक्त पास प्रमाणपत्र में उसका नाम गलती से केवल महेश दर्ज है, जबकि उसके जन्म प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेजों में उसका नाम महेश राज दर्ज है।
3. मेरे बेटे का वास्तविक और पूरा नाम महेश राज है।
4. महेश और महेश राज एक ही व्यक्ति है।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पुत्र के उपरोक्त उत्तीर्ण प्रमाण पत्र और अन्य शैक्षिक अभिलेखों में उसका पूरा नाम महेश राज के रूप में संबंधित प्राधिकारी से दर्ज कराने के उद्देश्य से दे रहा हूँ, जो सभी उद्देश्यों के लिए आवश्यक है, अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं वी राजन, पिता राज किशन निवासी बिम्बलीटान गांव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्द्वारा पूर्णतया प्रतिज्ञा और घोषणा करता हूँ कि :

1. मेरे बेटे ने महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण की है, जिसका रोल नम्बर 20101281 है और उसने प्रमाण पत्र संख्या 1373699, दिनांक 13.05.2024 के तहत उत्तीर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।
2. मेरे बेटे का नाम उपरोक्त पास प्रमाणपत्र में गलती से राज किशन के बजाय राज किशन के रूप में दर्ज किया गया है , जबकि उसके जन्म प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेजों में सही नाम राज किशन दर्ज है।
3. मेरे बेटे का वास्तविक और सही नाम राज किशन है।
4. राज किशन और राज किशन एक ही व्यक्ति है।
5. मैं अपने पुत्र के उपर्युक्त पास प्रमाणपत्र और अन्य शैक्षिक अभिलेखों में उसका नाम बदलकर राज किशन करने हेतु संबंधित प्राधिकारी को यह शपथपत्र दाखिल कर रहा हूँ, जो सभी प्रयोजनों के लिए आवश्यक है, अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और तर्कसंगत है।

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं, हफीज़ हसन, पुत्र हसन लामाया, निवासी ग्राम कमोर्टा, तहसील नानकोरी, जिला निकोबार, यह सत्यापित एवं शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :

1. यह कि मैं इन द्वीपों का स्थायी निवासी हूँ तथा उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ।
2. यह कि मेरे पासपोर्ट एवं 10वीं की अंकसूची में मेरे पिता का नाम हसन लामाय अंकित है, जबकि मेरे जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में सही नाम हसन लामाया अंकित है।
3. यह कि मेरे पासपोर्ट में मेरी माता का नाम हज़रा हसन तथा 10वीं की अंकसूची में एम.एन. हाज़िरा अंकित है, जबकि मेरे जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों में सही नाम हाज़िरा हसन अंकित है।
4. यह कि मैं यह शपथ पत्र इस उद्देश्य से दे रहा हूँ कि उपरोक्त सभी नाम एक ही व्यक्ति के हैं तथा इनमें कोई अंतर नहीं है। यह शपथ पत्र मेरे पासपोर्ट, 10वीं की अंकसूची एवं अन्य शासकीय अभिलेखों में मेरे माता–पिता के नाम की पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

यह शपथ पत्र मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम शपथकर्ता

इतिहास के पन्नों में 7 अप्रैल

1818 – ब्रिटिश सरकार ने बिना मुकदमे के लोगों को निर्वासित करने और हिरासत में रखने वाला कानून बंगाल स्टेट प्रिजनर्स रेगुलेशन एक्ट पेश किया। यह कानून देश की आजादी तक प्रभावी रहा।

1827 – एक समय था जब माचिस हर घर की जरूरत थी। माचिस की बिक्री 7 अप्रैल को ही शुरू हुई थी। ब्रिटेन के रसायनशास्त्र जॉन वॉकर ने इसकी शुरुआत की थी।

1919 – बाबेरियन सोवियत गणराज्य की स्थापना।

1929 – पहली वाणिज्यिक उड़ान भारत पहुंची, जब ब्रिटेन के इंपीरियल एयरवेज की लंदन–काहिरा सेवा को कराची तक बढ़ाया गया।

1939 – दूसरे विश्वयुद्ध में अल्बानिया पर इटली का कब्जा।

1940 – अमेरिका में डाक टिकट पर पहली बार अश्वेत अमेरिकी बुकर टी. वॉशिंगटन की तस्वीर छापी गई।

1946 – फ्रांस से सीरिया की आजादी का अनुमोदन।

1948 – संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन का गठन।

1955 – विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया।

1969 – दुनिया में सूचना तकनीक के मैदान में बड़ी क्रांति। इसी दिन इंटरनेट का जन्म हुआ था।

1978 – अमेरिका के राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने न्यूट्रान बम के विकास पर रोक लगाई।

1994 – रवांडा के राष्ट्रपति जुवेनल हेव्यारिमाना एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति सिप्रियन न्तायमिटा का किगाली हवाई अड्डे पर राकेट हमले में निधन।

1998 – विश्व स्वास्थ्य दिवस को महिला चिकित्सा दिवस के रूप में मनाने का विश्व स्वास्थ्य संगठन की घोषणा।

2000 – ब्राजील से विश्व के सबसे छोटे अखबार 'योर आनर' का प्रकाशन प्रारम्भ।

2000 – भारत में करोड़ों रुपये की मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी के रैकिट का पर्दाफाश।

2001 – चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका से खेद के बजाय माफी मांगने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका व भारत के मध्य रक्षा सहयोग समझौता, प्रोटोकाल के विपरीत राष्ट्रपति बुश की भारतीय रक्षा मंत्री जसवंत सिंह से भेंट, मंगल ग्रह के लिए नासा का ओडिसी यान रवाना।

2004 – एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा जारी रिपोर्ट में मौत की सज़ा देने में चीन, ईरान व अमेरिका को सबसे आगे बताया गया है। क्वालालंमपुर में म्यांमार दूतावास के शरणार्थियों को आग के हवाले किया।

2006 – बगदाद में बम विस्फोट में 79 लोग मारे गये।

2008 – असम में प्रतिअबंधित उग्रवादी संगठन 'उल्फा' ने अपना 30वां स्थापना दिवस मनाया। दो दिवसीय भारत–अफ्रीका पहली शिखर बैठक नई दिल्ली में प्ररम्भ।

2008 – पेरिस में रिले दौड़ के दौरान भारी हंगामे व विरोध प्रदर्शन के बीच ओलम्पिक खेलों की मशाल पांच बार बुझानी पड़ी।

महंगा चारा छोड़िए, बकरियों को खिलाएं ये खास पत्तियां, तेजी से बढ़ेगा वजन और बढ़ेगा मुनाफा

नई दिल्ली, 06 अप्रैल। अगर आप बकरी पालन करते हैं या शुरू करने की सोच रहे हैं, तो एक बात सबसे ज्यादा जरूरी है–सही खुराक. अक्सर लोग महंगे चारे पर खर्च करते हैं, फिर भी बकरियों की ग्रोथ और उत्पादन उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ता. केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान पशु विशेषज्ञ डॉ वाई के सोनी के अनुसार, एक आसान और सस्ता तरीका है, जिससे बकरियों का दूध और मीट दोनों तेजी से बढ़ सकते हैं. यह तरीका है पेड़ों की खास पत्तियां खिलाना. यह न सिर्फ पोषण देती हैं, बल्कि दवा का काम भी करती हैं.

पशु विशेषज्ञ डॉ वाई के सोनी के अनुसार, बकरी पालन में सिर्फ हरा चारा देना काफी नहीं होता. हरे चारे में नमी ज्यादा होती है, जिससे कई बार पाचन से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं. ऐसे में अगर हरे चारे के साथ पेड़ों की पत्तियां मिलाकर खिलाई जाएं, तो बकरियों को संतुलित पोषण मिलता है. पत्तियों में नमी कम होती है और इनमें प्रोटीन व टेनिन जैसे पोषक तत्व ज्यादा होते हैं. इससे बकरियों की सेहत मजबूत रहती है और उनका शरीर जल्दी विकसित होता है. रोजाना की खुराक में थोड़ी मात्रा में पत्तियां शामिल करने से बड़ा फर्क देखने को मिलता है.

कुछ पेड़ ऐसे हैं जिनकी पत्तियां बकरियों के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं. जैसे नीम, अमरूद और मोरिंगा. इनकी पत्तियां आसानी से मिल जाती हैं और इनमें पोषण भी भरपूर होता है. इन पत्तियों की खास बात यह है कि ये बकरियों के पेट में होने वाले कीड़ों को खत्म करने में मदद करती हैं. आमतौर पर दूषित पानी या गंदे माहौल की वजह से बकरियों के पेट में कीड़े हो जाते हैं, जिससे उनकी ग्रोथ रुक जाती है. चाहे बकरी कितना भी खा ले, उसका वजन नहीं बढ़ता. लेकिन अगर नियमित रूप से इन पेड़ों की पत्तियां खिलाई जाएं, तो यह समस्या काफी हद तक कम हो जाती है. साथ ही, बकरियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है.

बकरियों को पत्तियां खिलाने का तरीका भी बहुत मायने रखता है. बकरी जमीन पर गिरे चारे से ज्यादा पेड़ की डाल से तोड़कर खाना पसंद करती है. जब बकरी खुद डाल से पत्तियां खाती है, तो वह ज्यादा खुश होकर और ज्यादा मात्रा में खाती है. इसलिए कोशिश करें कि पत्तियों को सीधे डाल सहित बकरियों के सामने रखें. इससे उनकी भूख भी बढ़ती है और खाना भी सही तरीके से पचता है. यह तरीका बकरियों की तेजी से ग्रोथ में मदद करता है. अगर नीम, अमरूद या मोरिंगा आसानी से न मिलें, तो गूलर और अरडू जैसे पेड़ों की पत्तियां भी खिलाई जा सकती हैं. ये भी पोषण से भरपूर होती हैं और बकरियों के लिए सुरक्षित हैं. मोरिंगा का मुलायम तना भी बकरियां आसानी से खा लेती हैं, जो उनके लिए अतिरिक्त पोषण का काम करता है.

सही खुराक देने से बकरी पालन की लागत भी कम होती है और मुनाफा बढ़ता है. जब बकरियां स्वस्थ रहती हैं, तो उनका वजन तेजी से बढ़ता है और दूध उत्पादन भी बेहतर होता है. इससे बाजार में उनकी अच्छी कीमत मिलती है. पेड़ों की पत्तियां आसानी से गांव या आसपास के इलाकों में मिल जाती हैं, इसलिए इन्हें खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती. इससे चारे पर होने वाला खर्च कम हो जाता है. साथ ही, दवाइयों पर खर्च भी घटता है क्योंकि बकरियां कम बीमार पड़ती हैं. डॉ वाई के सोनी के अनुसार, अगर बकरी पालन में सही खानपान का ध्यान रखा जाए, तो यह व्यवसाय कम लागत में ज्यादा कमाई देने वाला बन सकता है. हरे चारे के साथ पेड़ों की पत्तियों का संतुलित इस्तेमाल इस दिशा में एक आसान और असरदार कदम है.

सरकार ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल तरीकों के उपयोग की सलाह दी

नई दिल्ली, 06 अप्रैल।

सरकार देश भर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सभी प्रयास कर रही है। सरकार ने नागरिकों से एलपीजी सिलेंडर बुक कराने के लिए डिजिटल तरीकों का उपयोग करने तथा गैस वितरकों के पास अनावश्यक जाने से बचने को कहा है।

तेल और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया है कि फरवरी 2025 से कल तक एलपीजी आपूर्ति 53 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय ने कहा है कि कल 90 हजार से अधिक पांच किलोग्राम वाले एफटीएल–छोटे सिलेंडर की बिक्री की गई। ये छोटे सिलेंडर नजदीकी एलपीजी वितरक के पास उपलब्ध है और इन्हें कोई भी वैध पहचान पत्र दिखाकर खरीदा जा सकता है। इनके लिए किसी आवासीय पते की आवश्यकता नहीं है। मंत्रालय ने कहा है कि मार्च 2026 से लगभग 3 लाख 60 हजार पीएनजी गैस कनेक्शन दिये गए है। इनके अलावा तीन लाख 90 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है।

पोत, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि सभी भारतीय नाविक सुरक्षित है और पिछले 24 घंटे के दौरान भारतीय झंडे वाले किसी भी पोत के साथ किसी कठिनाई की सूचना नहीं है। मंत्रालय ने कहा है कि देश के सभी बंदरगाहों पर संचालन व्यवस्था सामान्य है। जहाजरानी महानिदेशक ने एक हजार चार सौ 79 भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी की है। इनमें पिछले 24 घंटों के दौरान लाए गए एक सौ 59 नाविक भी शामिल हैं। इन्हें हवाई अड्डों तथा खाड़ी क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रीय स्थानों से स्वदेश लाया गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र की तेजी से बदलती स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। मंत्रालय के अनुसार ईरान में फंसे कुल तीन सौ 45 भारतीय मछुआरे कल स्वदेश लौट आए। क्षेत्र में विमानों की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा हैं और 28 फरवरी से तकरीबन सात लाख दो हजार यात्री खाड़ी क्षेत्र से भारत लौटे हैं।

भारतीय सेना ने मानवरहित हवाई प्रणाली और मंडराने वाली युद्धक सामग्री के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप का अनावरण किया

नई दिल्ली, 06 अप्रैल।

भारतीय सेना ने आज मानवरहित हवाई प्रणाली और मंडराने वाली युद्धक सामग्री के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप का अनावरण किया। यह पहल मानवरहित हवाई प्रणालियों के क्षेत्र में भारतीय सेना की दीर्घकालिक आवश्यकताओं की स्पष्टता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय सेना ने कहा कि यह रोडमैप उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान तथा विकास संस्थानों को निवेश और तकनीकी प्रयासों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की ओर निर्देशित करने के लिए स्पष्ट और कार्रवाई योग्य दिशा–निर्देश प्रदान करता है। भारतीय सेना ने आगे कहा कि यह दस्तावेज परिचालन आवश्यकताओं और तकनीकी विकास के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत का ड्रोन तंत्र संरचित और मांग–आधारित तरीके से विकसित हो।

सेना के उप प्रमुख, लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने इस अवसर पर आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और ड्रोन प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हाल के संघर्षों ने बड़े पैमाने पर तैनाती और सटीक लक्ष्यीकरण के बीच संतुलन की आवश्यकता को प्रदर्शित किया है। इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, रक्षा उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षा जगत के प्रमुख हितधारक एक साथ आए।

भारतीय सेना ने आज मानवरहित हवाई प्रणाली और मंडराने वाली युद्धक सामग्री के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप का अनावरण किया। यह पहल मानवरहित हवाई प्रणालियों के क्षेत्र में भारतीय सेना की दीर्घकालिक आवश्यकताओं की स्पष्टता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय सेना ने कहा कि यह रोडमैप उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान तथा विकास संस्थानों को निवेश और तकनीकी प्रयासों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की ओर निर्देशित करने के लिए स्पष्ट और कार्रवाई योग्य दिशा–निर्देश प्रदान करता है। भारतीय सेना ने आगे कहा कि यह दस्तावेज परिचालन आवश्यकताओं और तकनीकी विकास के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत का ड्रोन तंत्र संरचित और मांग–आधारित तरीके से विकसित हो।

सेना के उप प्रमुख, लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने इस अवसर पर आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और ड्रोन प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हाल के संघर्षों ने बड़े पैमाने पर तैनाती और सटीक लक्ष्यीकरण के बीच संतुलन की आवश्यकता को प्रदर्शित किया इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, रक्षा उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षा जगत के प्रमुख हितधारक एक साथ आए।

ओलंपिक पदक विजेता ब्लैंका व्लासिक को 'वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026' का एंबेसडर बनाया गया

बेंगलुरु, 06 अप्रैल।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और दो बार की विश्व चैंपियन ब्लैंका व्लासिक को 'वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026' के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर बनाया गया है। इस वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस का आयोजन 26 अप्रैल को होना है। व्लासिक टॉप हाई जंपर्स में से एक हैं। वह अपने लंबे और सफल करियर के लिए जानी जाती हैं। क्रोएशियाई एथलीट ने बीजिंग 2008 ओलंपिक में रजत और रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप और वर्ल्ड इंडोर टाइटल भी जीते। 2009 में बनाया गया उनका निजी श्रेष्ठ (2.08 मीटर), अभी भी क्रोएशियाई रिकॉर्ड है और यह अब तक का तीसरा सबसे ऊंचा महिला हाई जंप रिकॉर्ड है।

ब्लैंका व्लासिक ने कहा, "एक ऐसे इवेंट से जुड़ना जो हजारों लोगों को दौड़ने के जरिए एक साथ लाता है, प्रेरणा और ऊर्जा देने वाला है। दौड़ना एक ऐसा खेल है जो हमें शारीरिक रूप से सक्रिय और मानसिक रूप से मजबूत रखता है। यह एथलेटिक्स कम्युनिटी को बनाने में अहम भूमिका निभाता रहता है।"

रेस के प्रमोटर, प्रोकैम इंटरनेशनल के संयुक्त एमडी विवेक सिंह ने कहा, "हमें इस साल के वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के लिए इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर के तौर पर ब्लैंका व्लासिक का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उनकी असाधारण उपलब्धियां, और वैश्विक खेल समुदाय में उनका लगातार योगदान, उन्हें एक प्रेरणा देने वाली हस्ती बनाते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि वह भारत में दौड़ने की भावना का जश्न मनाएगी और प्रतिभागियों और फैंस के लिए अनुभव को बेहतर बनाएगी।"

आर्टेमिस–II के कैमरे में कैद 20 करोड़ साल पुरानी टक्कर का निशान, एस्ट्रोनॉट ने दिखाई पृथ्वी के 'मैनिकौगन क्रेटर' की झलक

वॉशिंगटन, 06 अप्रैल।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का आर्टेमिस मून मिशन क्रू जैसे–जैसे चांद के करीब पहुंच रहा है, रोचक जानकारी के साथ चांद और पृथ्वी की नई झलक भी दिखा रहा है। इसी कड़ी में एस्ट्रोनॉट क्रिस विलियम्स ने कैमरे में कैद पृथ्वी के 20 करोड़ साल पुराने टकराव के निशान यानी 'मैनिकौगन क्रेटर' की झलक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिखाई।

क्रिस विलियम्स ने एक्स अकाउंट पर रोचक पोस्ट करते हुए चंद्रमा और पृथ्वी के गड्ढों (क्रेटर्स) के बारे में बताया है। उन्होंने क्रू के चंद्रमा के करीब पहुंचने पर होने वाले अनुभव का जिक्र किया। क्रिस विलियम्स ने लिखा कि जैसे–जैसे आर्टेमिस II का क्रू चांद के पास आएगा, उन्हें चांद की सतह का सीधा नजारा देखने को मिलेगा। सबसे खास बात यह होगी कि चांद की दूसरी तरफ (फार साइड) कई गड्ढे दिखाई देगी। ये गड्ढे सौर मंडल के इतिहास में हुए क्षुद्रग्रहों और उल्कापिंडों के टकरावों से बने हैं। ये हमारे सौर मंडल के इतिहास का रिकॉर्ड हैं।

उन्होंने आगे बताया कि पृथ्वी पर भी ऐसे कई टकराव हुए हैं, जिनका बड़ा प्रभाव पड़ा। उदाहरण के लिए, डायनासोर युग के अंत में हुए एक बड़े टकराव ने इन जीवों के विलुप्त होने में भूमिका निभाई। लेकिन पृथ्वी पर प्लेट टेक्टोनिक्स, मौसम और ज्वालामुखी गतिविधियों ने अधिकांश पुराने गड्ढों को मिटा दिया है। इस कारण पृथ्वी के टकराव का इतिहास नहीं दिखता है। चांद हमें इस पूरी तस्वीर को समझने में मदद करता है और हमारे पृथ्वी के अतीत की अनोखी कहानी सुनाता है।

विलियम्स ने बताया कि पृथ्वी पर अभी भी कई गड्ढे मौजूद हैं, लेकिन वे चांद वाले गड्ढों की तरह आसानी से नजर नहीं आते। कुछ गड्ढे हालांकि स्पष्ट दिखाई देते हैं। उदाहरण के तौर पर कनाडा के क्यूबेक में स्थित मैनिकौगन क्रेटर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बहुत आसानी से देखा जा सकता है। यह गड्ढा लगभग 20 करोड़ साल पहले बना था, जब करीब 5 किलोमीटर चौड़े एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराया था। आज यह गड्ढा 70 किलोमीटर से भी ज्यादा चौड़ा है।

क्रिस ने अपनी पोस्ट में लिखा कि जब वे व्यायाम कर रहे थे, तब उन्होंने आईएसएस के कूपोला खिड़की से इस गड्ढे का शानदार नजारा देखा। नजारा इतना खूबसूरत था कि उन्होंने कसरत रोककर इसकी तस्वीर ले ली।

क्षेत्रवार सायंकालीन लोड शेडिंग का अस्थायी कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 6 अप्रैल।

आम जनता, सभी सरकारी विभागों एवं सभी निजी संगठनों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 16.12.2025 के पूर्व निर्धारित लोड शेडिंग कार्यक्रम के अनुसार औसतन 60 मिनट की कटौती निर्धारित थी। तथापि, मार्च, 2025 के दौरान वास्तविक रूप से लगभग 45 मिनट की ही लोड शेडिंग लागू की गई।

विद्युत विभाग दक्षिण अण्डमान में विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा लोड शेडिंग को कम करने अथवा पूर्णतः समाप्त करने हेतु विभिन्न सुदृढ़ीकरण परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। फीनिक्स बे पावर हाउस में 2.5 मेगावाट की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जोड़ने तथा दिनांक 03/02/2026 को मैसर्स मार्डन हायरिंग सर्विसेज द्वारा नए 5 मेगावाट संयंत्र के संचालन से विद्युत कमी में उल्लेखनीय कमी आई है।

अब नया लोड शेडिंग कार्यक्रम केवल 45 मिनट के लिए, विशेषकर सायंकालीन समय में निर्धारित किया गया है, जबकि दिन एवं रात्रि के समय लोड शेडिंग से छूट प्रदान की गई है।

दिन एवं रात्रि के समय लोड शेडिंग केवल अप्रत्याशित कमी की स्थिति में ही लागू की जाएगी, जो कि मौसम की स्थिति एवं तकनीकी खराबियों पर निर्भर करेगी।

लोड शेडिंग की अवधि को और कम करने तथा इसे पूर्णतः समाप्त करने के लिए निम्नलिखित परियोजनाएं प्रगति पर हैं–

- 10 मेगावाट एमडब्ल्यू एचपीपी मैसर्स सुधीर सेल्स एण्ड सर्विसेज लिमिटेड द्वारा शीघ्र ही चालू किया जाना प्रस्तावित है।
- पीबीपीएच में 3× 2000 केवीए डी.जी. सेट्स की आंतरिक क्षमता वृद्धि–निविदा प्रक्रिया में।
- सीपीएच में 7× 2000 केवीए डी.जी. सेट्स की आंतरिक क्षमता वृद्धि–निविदा प्रक्रिया में।

प्रशासन पुनः यह दोहराता है कि उपभोक्ताओं की ग्रिड आपूर्ति पर निर्भरता कम करने हेतु ''पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना'' महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के अंतर्गत प्रारंभिक निवेश पर सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे विद्युत बिल में पर्याप्त बचत होती है तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है।

अतः उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि वे प्रत्येक घरेलू मकान में सोलर रूफटॉप स्थापित करें, योजना का पूर्ण लाभ उठाएं, उपभोक्ता से "प्रोस्यूमर" बनें तथा भारत के नेट–ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्य में योगदान दें।

वर्तमान चुनौतियों से निपटने एवं बिजली संरक्षण के लिए जनसहयोग अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से न्यूनतम 30 दिनों के लिए लागू रहेगा।

क्षेत्रवार सायंकालीन लोड शेडिंग का संभावित कार्यक्रम

TIME	Affected Areas	FEEDERS
1600hrs To 1645hrs	Buniyadabad, AIR, DDK Colony, part of Delanipur, part of Prem Nagar, Coast Guard Enclave, Coast Guard HQ, Coast Guard Jetty, Panipat Road & Fortress Head Quarter. Brichgun jDefence Cantonment area Chatham Mill, Chatham Wharf, IOC & MES Power House.	Coast Guard, Defence GSS, Defence CPH
1645hrs To 1730hrs	Part of Sippighat, Chouldari Lal Pahar, Tsunami Shelter, Mithakhari, Namunaghar, Dunduspoint & HathiTappu. BSNL Telephone Exchange, Prem Nagar, Goalghar, Carmel School area, KV-I area & Murdakhari area. Bhatubasti complete, Laxmi Motor Area, Pathergudda, Satellite Colony & New Pahargaon.	Tiger, Junglighat, Prothrapur
1730hrs To 1815hrs	Part of Garacharama, Dollygunj, Attompahad, Old Pahargaon, ICMR Colony area, part of Minnie Bay. Garacharama Sub Station, Japan Nallah, Austinabad, Prothrapur, Corbyn's Cove, Brichgunj, Brookshabad & part of Chakkargoan	Dollygunj, Brookshabad
1815hrs To 1900hrs	Agency House, Garacharama complete & 5 MW Solar Power Plant area. Part of Junglighat, Vijay Baugh, Dairy Farm complete STS Workshop, BSNL Bhawan, Model School Area, Fire Brigade, ANIIDCO Bhawan area, Girls School, CCS Aberdeen Bazaar area, Supply Line complete, Netaji Stadium area, Electricity Bazaar site office, Jama Masjid, Netaji Club and part of Gurudwara Lane.	Garacharma, Dairy Farm, Supply Line
1900hrs To 1945hrs	Part of Dollygunj, part ofPahargaon, ICMR Colony area, part of School Line and Water Treatment Plant area at Lamba Lane. Shadipur, South Point, Mazaar Pahad, Machi Line, RGT Road, Govt. Press and JNRM College. CIARI, Ayyanar Temple, Calicut, New Bimblitan, part of Teylarabad & Macca Pahad	Minnie Bay, Radial-2, Calicut
1945hrs To 2030hrs	Sippighat, Teylarabad, Bimblitan, Manjeri, Guptapara, Manglutan, Wandoor, Chouldari, Tushnabad, Port Mout, Tirur, Temple Myo & Ograbranj Haddo area complete and Haddo Wharf	Outer, Haddo
2030hrs To 2115hrs	Rajasthan Mandir, ALHW Colony, Hawaghar Jn., Dudh Line, Nayagaon, Bargat Line, GPRA Colony & Corbyn's Jn. LIC, Light House area, Phoenix Bay, Delanipur School, Delanipur Junction area complete, Quarry Hill, Phongy Chaung. Marine Hill, Dugnabad complete, Round Basti & Netaji Club area.	Nayagaon, Dilanipur, Dugnabad
2115hrs To 2200hrs	AKT Miniplex, Bird Line, Mahaveer Nagar, Kamaraj Nagar, Beodnabad, Rangachang, Burmanallah & Chidiyatapu Part of Gurudwara Line, Bengali Club, Biggi Lane, Anthropological Museum, Middle Point, Link Road, VIP Road, Police Line, part of Junglighat Vidhyut Bhawan, Electricity HQ Office, SVPMC Auditorium, APWD CE Office, Secretariat, Court Complex, PAO, Lok Niwas & Gandhi Park.	Chidyatapu, Radial-1, Lamba Line
2200hrs To 2245hrs	Dairy Farm Junction, CPWD Complex, Lamba Line, Ranchi Tekry, School Line complete & part of Minnie Bay Mohanpura, Babu Line, Aberdeen Bazaar from Ratnam Market to Taxi Stand, Aberdeen Thana & part of Gurudwara Lane. Shristy Nagar, Atlanta Point, Cellular Jail, G.B.Pant and Police HQ, Marina Park & Aberdeen Bazaar site office area PMB, Light House & Light Ship area, Fisheries Jetty area, Anarkarli, Foreshore Road, Megapode, Horticulture Road, Island Niwas, Teal House, Delanipur upto Civil Aviation, Samudarika	Airport, Bazar, Medical, Megapode

TIME	Affected Areas	FEEDERS
1600hrs To 1645hrs	Buniyadabad, AIR, DDK Colony, part of Delanipur, part of Prem Nagar, Coast Guard Enclave, Coast Guard HQ, Coast Guard Jetty, Panipat Road & Fortress Head Quarter. Brichgun jDefence Cantonment area Chatham Mill, Chatham Wharf, IOC & MES Power House.	Coast Guard, Defence GSS, Defence CPH
1645hrs To 1730hrs	Part of Sippighat, Chouldari Lal Pahar, Tsunami Shelter, Mithakhari, Namunaghar, Dunduspoint & HathiTappu. BSNL Telephone Exchange, Prem Nagar, Goalghar, Carmel School area, KV-I area & Murdakhari area. Bhatubasti complete, Laxmi Motor Area, Pathergudda, Satellite Colony & New Pahargaon.	Tiger, Junglighat, Prothrapur
1730hrs To 1815hrs	Part of Garacharama, Dollygunj, Attompahad, Old Pahargaon, ICMR Colony area, part of Minnie Bay. Garacharama Sub Station, Japan Nallah, Austinabad, Prothrapur, Corbyn's Cove, Brichgunj, Brookshabad & part of Chakkargoan	Dollygunj, Brookshabad
1815hrs To 1900hrs	Agency House, Garacharama complete & 5 MW Solar Power Plant area. Part of Junglighat, Vijay Baugh, Dairy Farm complete STS Workshop, BSNL Bhawan, Model School Area, Fire Brigade, ANIIDCO Bhawan area, Girls School, CCS Aberdeen Bazaar area, Supply Line complete, Netaji Stadium area, Electricity Bazaar site office, Jama Masjid, Netaji Club and part of Gurudwara Lane.	Garacharma, Dairy Farm, Supply Line
1900hrs To 1945hrs	Part of Dollygunj, part ofPahargaon, ICMR Colony area, part of School Line and Water Treatment Plant area at Lamba Lane. Shadipur, South Point, Mazaar Pahad, Machi Line, RGT Road, Govt. Press and JNRM College. CIARI, Ayyanar Temple, Calicut, New Bimblitan, part of Teylarabad & Macca Pahad	Minnie Bay, Radial-2, Calicut
1945hrs To 2030hrs	Sippighat, Teylarabad, Bimblitan, Manjeri, Guptapara, Manglutan, Wandoor, Chouldari, Tushnabad, Port Mout, Tirur, Temple Myo & Ograbranj Haddo area complete and Haddo Wharf	Outer, Haddo
2030hrs To 2115hrs	Rajasthan Mandir, ALHW Colony, Hawaghar Jn., Dudh Line, Nayagaon, Bargat Line, GPRA Colony & Corbyn's Jn. LIC, Light House area, Phoenix Bay, Delanipur School, Delanipur Junction area complete, Quarry Hill, Phongy Chaung. Marine Hill, Dugnabad complete, Round Basti & Netaji Club area.	Nayagaon, Dilanipur, Dugnabad
2115hrs To 2200hrs	AKT Miniplex, Bird Line, Mahaveer Nagar, Kamaraj Nagar, Beodnabad, Rangachang, Burmanallah & Chidiyatapu Part of Gurudwara Line, Bengali Club, Biggi Lane, Anthropological Museum, Middle Point, Link Road, VIP Road, Police Line, part of Junglighat Vidhyut Bhawan, Electricity HQ Office, SVPMC Auditorium, APWD CE Office, Secretariat, Court Complex, PAO, Lok Niwas & Gandhi Park.	Chidyatapu, Radial-1, Lamba Line
2200hrs To 2245hrs	Dairy Farm Junction, CPWD Complex, Lamba Line, Ranchi Tekry, School Line complete & part of Minnie Bay Mohanpura, Babu Line, Aberdeen Bazaar from Ratnam Market to Taxi Stand, Aberdeen Thana & part of Gurudwara Lane. Shristy Nagar, Atlanta Point, Cellular Jail, G.B.Pant and Police HQ, Marina Park & Aberdeen Bazaar site office area PMB, Light House & Light Ship area, Fisheries Jetty area, Anarkarli, Foreshore Road, Megapode, Horticulture Road, Island Niwas, Teal House, Delanipur upto Civil Aviation, Samudarika	Airport, Bazar, Medical, Megapode

'स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े हों' थीम के साथ मनाया जा रहा है विश्व स्वास्थ्य दिवस

नई दिल्ली, 06 अप्रैल।

विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाता है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की आधिकारिक थीम "Together for health- Stand with science" (स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े हों) रखी गई है। इस वर्ष का अभियान वैज्ञानिक सहयोग की शक्ति और लोगों, जानवरों, पौधों तथा पूरे ग्रह के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विज्ञान–आधारित दृष्टिकोणों के महत्व पर जोर देता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 07 अप्रैल 1950 से शुरू किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद 1950 में पहली बार 07 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन–जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।